पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),

भारत सरकार

****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, कार्तिक 19, 1945

शुक्रवार, नवंबर 10, 2023

नई दिल्ली में रक्षा मंत्री और अमेरिकी रक्षा सचिव ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रक्षा और सामरिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

श्री राजनाथ सिंह ने असम में बरामद द्वितीय विश्व युद्ध के अमेरिकी बलों के पैराशूट, वर्दी एवं हवाई जहाज के पुर्जे अमेरिका को सौंपे।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 10 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में अमेरिकी रक्षा सचिव श्री लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा और सामरिक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर व्यापक चर्चा की। रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों के रक्षा उद्योगों को सहकारी रूप से एक साथ लाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया ताकि रक्षा प्रणालियों का सह-विकास तथा सह-उत्पादन किया जा सके।

मंत्रियों ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान के द्वारा रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र 'इंडस-एक्स' की प्रगति की समीक्षा की। इंडस-एक्स को इसी साल जून में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य भारत और अमेरिका की सरकारों, व्यवसायों एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना है।

सेक्रेटरी ऑस्टिन ने संयुक्त समुद्री बलों की पूर्ण सदस्यता के लिए पदोन्नत करने के भारत के फैसले का स्वागत किया, यह एक बहुपक्षीय निर्माण है जिसका मुख्यालय बहरीन में है।

रक्षा मंत्री ने अमेरिकी रक्षा पीओडब्ल्यू एमआईए लेखा एजेंसी मिशन के हिस्से के रूप में असम में बरामद कुछ वस्तुओं को प्रतीकात्मक रूप से सचिव ऑस्टिन को सौंपा। इन वस्तुओं में द्वितीय विश्व युद्ध के दौर की अमेरिकी सेनाओं के पैराशूट, वर्दी और हवाई जहाज के हिस्से शामिल हैं। मंत्रियों ने अपनी बात समाप्त करने से पहले अपनी टीमों के लिए भविष्य के संयुक्त कार्य के लिए एक एजेंडा तैयार किया।

एबीबी/एसएस